भारत-केन्या संबंध

भारत ने हाल ही में केन्या को **100 समुद्री चार्ट** सौंपे, जो **लामू द्वीपसमूह** के निकट तटीय क्षेत्र के दोनों देशों की नौसेनाओं के मध्य एक सहयोगी सर्वेक्षण का परिणाम है।

- यह सर्वेक्षण भारतीय नौसेना के **राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण कार्यालय** द्वारा आयोजित किया गया था।

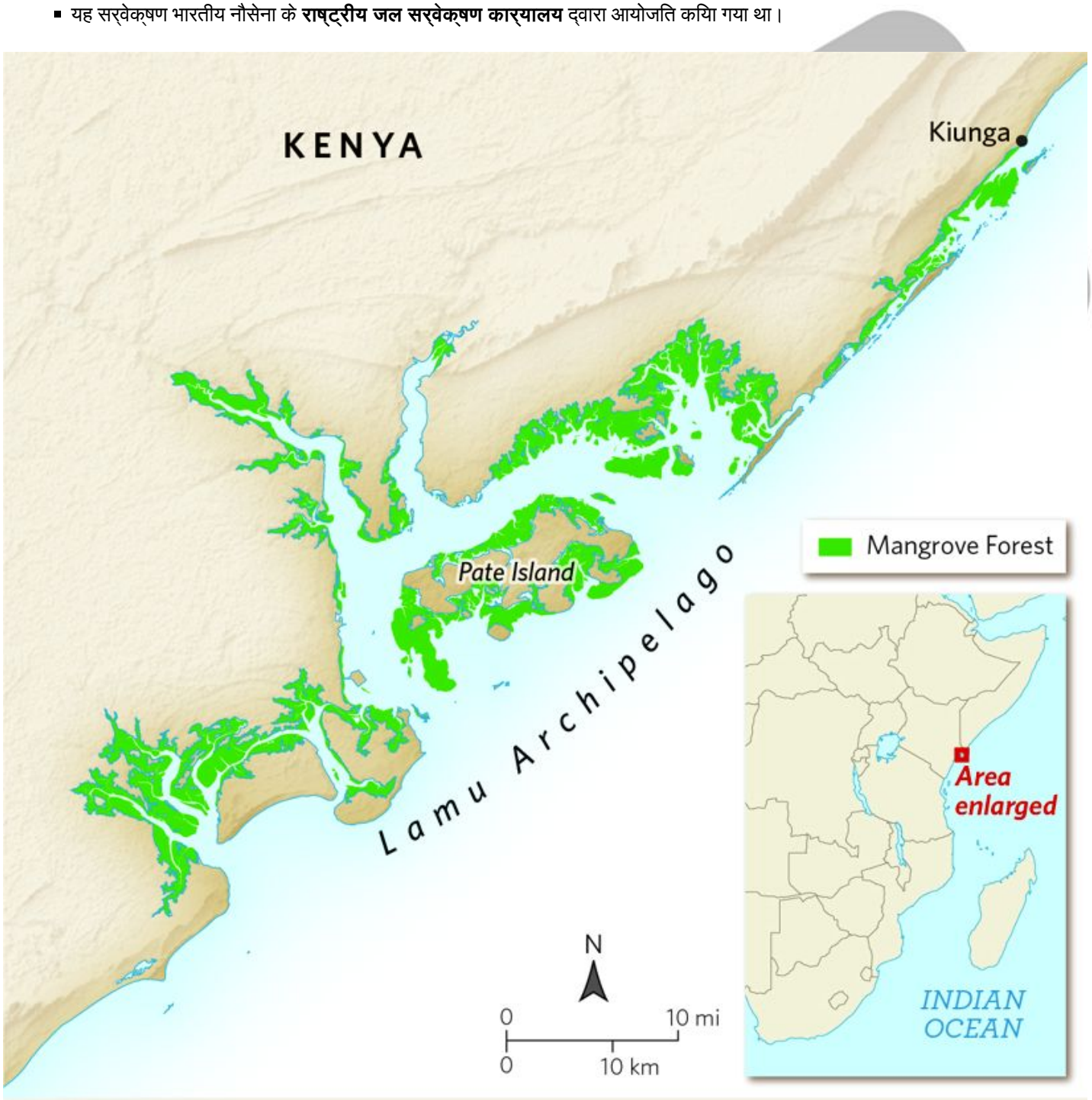

केन्या से संबंधित प्रमुख बिंदु:

- केन्या पूर्वी अफ्रीका में स्थित है। इसका भू-भाग **हिंद महासागर के निचले तटीय मैदान** से लेकर इसके केंद्र में पहाड़ों और पठारों तक फैला हुआ है।
- **हिंद महासागर और विक्टोरिया झील** के मध्य केन्या की अवस्थिति का मतलब है कि पूरे **अफ्रीका और मध्य पूर्व** के लोग सदियों से यात्रा और व्यापार करते रहे हैं।
    - इसने कई **जातीय समूहों और भाषाओं के साथ एक विविध संस्कृति का निर्माण किया है।**
- वैज्ञानिकों का मानना है कि **उत्तरी केन्या और तंजानिया शायद इंसानों के मूल जन्मस्थान रहे होंगे।**
- अब तक पाए गए **सबसे पुराने मानव पूर्वजों में से एक की हड्डियाँ केन्या के तुरकाना बेसिन में खोजी गई थीं।**
    - **तुरकाना झील, विश्व की सबसे बड़ी रेगिस्तानी झील**, ओमो-तुरकाना बेसिन का हिस्सा है, जो चार देशों-**इथियोपिया, केन्या, दक्षिण सूडान और युगांडा** में फैली हुई है।
- **UN-Habitat** का **मुख्यालय नैरोबी, केन्या में स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में है।**

केन्या के साथ भारत के संबंध:

- **भारत और केन्या के संबंध काफी पुराने** हैं जिसका उल्लेख हमें इनके **बीच मसालों के व्यापार में मिलता है।**
    - भारत का समुद्री पड़ोसी देश होने के अतिरिक्त **पश्चिमी हिंद महासागर की भू-राजनीति के निर्धारण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है।**
- भारत का **अफ्रीकी संघ** के साथ लंबे समय से स्थापित संबंध है, साथ ही भारत इसका सक्रिय सदस्य है।
    - वर्ष 2017 में केन्याई सरकार ने **भारतीय विरासत (मूल) के लोगों को अपने राष्ट्र में 44वीं जनजाति के रूप में नामित किया।**
- इसके अलावा अब तक कुल 14 केन्याई कर्मियों ने **भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (Indian Technical and Economic Cooperation- ITEC)** योजना के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोग्राफी, गोवा में अपना प्रशिक्षण पूरा किया है।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम:

- **ITEC विदेश मंत्रालय, भारत सरकार का अग्रणी क्षमता निर्माण मंच है।**
- वर्ष 1964 में स्थापित **ITEC अंतर्राष्ट्रीय क्षमता निर्माण हेतु सबसे पुरानी संस्थागत व्यवस्थाओं** में से एक है, जिसने नागरिक और रक्षा क्षेत्र दोनों में 160+ देशों के 200,000 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है।
- EC प्रत्येक वर्ष भारत में **100+ प्रतिष्ठित संस्थानों** में पेश किये जाने वाले लगभग **400 पाठ्यक्रमों** के माध्यम से लगभग **10,000 पूर्ण रूप से वित्तपोषित** व्यक्तिगत प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-kenya-ties-1